

## **Electrification work begins for Mumbai-Ahd bullet train**

**Kamal Mishra**

MUMBAI

The electrification work for India's first bullet train project, the Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail corridor, has commenced. The National High-Speed Rail Corporation Limited on Thursday announced that the first two steel masts for the overhead equipment (OHE) system have been erected at a height of 14 metre on the viaduct between Surat and Bilimora stations in Gujarat.

"A total of over 20,000 masts, ranging from 9.5 to 14.5 metres in height, will be installed along the 508-km corridor. The masts will support the 2x25 kV OHE system, including overhead wires, earthing systems, and associated fittings, enabling high-speed train operations. In alignment with the 'Make in India' initiative, the masts are manufactured domestically while adhering to Japanese design standards," said an official.

According to the corporation, significant progress has been made, with 253km viaduct completed, 290km of girders cast and 358km of pier work finished. Bridges on 13 rivers and five steel bridges are complete, while noise barriers have been installed over 112km. "In Gujarat, track construction has begun at multiple locations, and one mountain tunnel in Valsad is complete. In Maharashtra, a 21-km tunnel and seven mountain tunnels in Palghar are under construction using the New Austrian Tunnelling Method."

# Electrification work on Bullet train corridor commences between Surat and Bilimora stations

**EXPRESS NEWS SERVICE**  
VADODARA, JANUARY 16

THE FIRST electrification work on the high-speed rail corridor between Surat and Bilimora stations in Gujarat has commenced, said a statement issued by the National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL).

The statement issued on Thursday said, "The electrification work for the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train corridor has begun, with the first two steel masts erected on the viaduct at a height of 14m from the ground level in between Surat- Bilimora Bullet Train Stations in Gujarat".

The NHSRCL said that the 508-kilometer stretch from



**The work started with the first two steel masts being erected on the viaduct of the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor between Surat and Bilimora stations.** *Express*

Ahmedabad to Mumbai will see a total of over 20,000 masts, ranging from 9.5 to 14.5 meters

in height, installed along the corridor.

"These masts will support

the Overhead Equipment (OHE) system, including overhead wires, earthing systems, fittings, and associated accessories, forming the complete 2x25 kV overhead traction system for the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor suitable to run the Bullet train," the statement said.

The 2X25kV system is based on the idea of distributing the voltage along the line at higher voltage (50kV) and feeding the train at 25kV.

The National High Speed Rail Corporation Limited further said even though they "conform to Japanese standard design and specifications", the OHE masts, promoting the Make in India policy, are manufactured in India.





# बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर शुरू हुआ विद्युतीकरण का काम

सूरत-बिलिमोरा के बीच जमीन से 14 मीटर की ऊंचाई पर लगाए गए स्टील के दो मास्ट

Damodar.Vyas@timesofindia.com

■ मुंबई: देश की पहली बुलेट ट्रेन के लिए मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर पर विद्युतीकरण का काम शुरू हो गया है। इसकी शुरुआत सूरत-बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच हुई जहां जमीन से 14

महाराष्ट्र में 21 किमी लंबी सुरंग और 2 किमी लंबे नदी पुल का काम जारी

मीटर की ऊंचाई पर वायडक्ट पर पहले दो स्टील मास्ट स्थापित किए गए हैं। इस परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्से का काम मुंबई में शुरू है। वीकेसी में स्टेशन निर्माण

का काम जारी है। इसके अलावा वीकेसी और ठाणे के बीच 21 किमी सुरंग बनाने का काम चल रहा है। 13 नदियों पर पुल बनाए गए हैं, जिनमें पांच स्टील ब्रिज और दो प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट (PSC) ब्रिज हैं, जो विभिन्न रेलवे लाइनों और राजमार्गों के ऊपर से गुजरेंगे।

कैसे होंगे बुलेट ट्रेन के OHE

एक अधिकारी ने बताया कि पूरे कॉरिडोर पर 9.5 से 14.5 मीटर की ऊंचाई वाले 20,000 से ज्यादा मास्ट लगाए जाएंगे। ये मास्ट ओवरहेड उपकरण (OHE) प्रणाली का सपोर्ट करेंगे, जिसमें ओवरहेड तार, अर्थिंग सिस्टम, फिटिंग और संबंधित सहायक उपकरण शामिल हैं। ये ओएचई मास्ट भारत में निर्मित किए गए हैं।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना उन्नत प्रौद्योगिकी और पर्यावरणीय स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करके हाई-स्पीड रेल बुनियादी ढांचे में नए मानक स्थापित कर रही है। यह परियोजना आर्थिक विकास और जीवन की गुणवत्ता में सुधार का काम करेगी।  
- विवेक कुमार गुप्ता, प्रबंध निदेशक, NHSRCL

यह है महाराष्ट्र के काम की स्थिति

एनएचएसआरसीएल के प्रबंध निदेशक विवेक कुमार गुप्ता ने हाल ही में पालघर जिले में वैतरणा नदी पर बनने वाले 2.32 किलोमीटर लंबे पुल का निरीक्षण किया। यह कॉरिडोर का सबसे लंबा नदी पुल होगा। जालसर में सबसे लंबी पर्वतीय सुरंग भी बन रही है, जो 1.4 किमी लंबी है। इस सुरंग का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (NATM) का उपयोग करके किया जा रहा है।



लगाए गए नॉइज बैरियर्स

बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए अब तक 103 किलोमीटर लंबे वायडक्ट के दोनों ओर प्रत्येक 1 किलोमीटर की दूरी पर 2,000 नॉइज बैरियर्स लगाए गए हैं। हर नॉइज बैरियर की ऊंचाई 2 मीटर और चौड़ाई 1 मीटर है। इसका वजन लगभग 830-840 किलोग्राम है। आवासीय और शहरी क्षेत्रों में 3 मीटर ऊंचे नॉइज बैरियर्स लगाए गए हैं।

अब तक के काम की स्थिति

- महाराष्ट्र में बीकेसी और ठाणे के बीच 21 किलोमीटर सुरंग का काम निर्माणाधीन है
- NTAM के माध्यम से महाराष्ट्र के पालघर जिले में सात पर्वतीय सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है
- गुजरात के वलसाड जिले में एक पर्वतीय सुरंग बनकर तैयार हो चुकी है



# 2x25 केवी ओवर हेड ट्रैक्शन पर दौड़ेगी बुलेट ट्रेन बुलेट रेल प्रोजेक्ट: सूरत से बिलीमोरा के बीच विद्युतीकरण का काम शुरू

ट्रान्सपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

बुलेट ट्रेन के ट्रायल के लिए सूरत से बिलीमोरा रूट का चयन हुआ है। इसके तहत यहां स्टेशन का सिविल वर्क लगभग पूरा हो चुका है। अब कॉरिडोर में विद्युतीकरण का काम शुरू हो गया है। सूरत-बिलीमोरा बुलेट स्टेशनों के बीच जमीन से 14 मीटर की ऊंचाई पर वायडक्ट पर पहले दो स्टील मास्ट स्थापित किए गए हैं। कॉरिडोर पर 9.5 से 14.5 मीटर की ऊंचाई वाले 20,000 से ज्यादा मास्ट लगाए जाएंगे। ये मास्ट ओवरहेड उपकरण (OHE) प्रणाली का सपोर्ट करेंगे, जिसमें ओवरहेड तार, अर्थिंग सिस्टम, फिटिंग शामिल हैं।

## प्रोजेक्ट की स्थिति



- 253 किमी वायडक्ट तैयार।
- 90 किमी गर्डर कास्ट हो चुके।
- 358 किमी पिलर तैयार।
- 13 नदियों पर पुल बन चुके।
- पांच स्टील पुल तैयार हो चुके।
- 112 किमी में नॉइज बैरियर लगे।
- कई जगह ट्रैक निर्माण कार्य शुरू।
- बीकेसी-ठाणे के बीच 21 किमी सुरंग निर्माणाधीन।
- वलसाड में एक पर्वतीय सुरंग



# मेक इन इंडिया : स्पीड में चल रहा बुलेट ट्रेन का काम इलेक्ट्रिफिकेशन का काम शुरू, बिछाए जा रहे ट्रैक



■ मुंबई (सं). मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का काम तेज गति से चल रहा है. मेक इन इंडिया की नीति को अपनाते हुए कॉरिडोर का काम किया जा रहा है. इलेक्ट्रिफिकेशन का काम शुरू हो गया है, जिसके तहत गुजरात में सुरत-बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच जमीन से 14 मीटर की ऊंचाई पर वायाडक्ट पर पहले दो स्टील मास्ट स्थापित किए गए हैं. कुल मिलाकर, कॉरिडोर पर 9.5 से 14.5 मीटर की ऊंचाई वाले 20,000 से ज्यादा मास्ट लगाए जाएंगे. ये मास्ट ओवरहेड उपकरण (ओएचई ) प्रणाली का सपोर्ट करेंगे, जिसमें ओवरहेड तार, अर्थिंग सिस्टम, फिटिंग और संबंधित सहायक उपकरण शामिल हैं, जो बुलेट ट्रेन चलाने के लिए उपयुक्त एमएचएसआर कॉरिडोर के लिए पूर्ण 2x25 केवी ओवरहेड ट्रैक्शन सिस्टम का निर्माण करेंगे. बता दें कि मेक इन इंडिया नीति को बढ़ावा देते हुए, जापानी मानक डिजाइन और विशिष्टताओं के अनुरूप ये ओएचई मास्ट भारत में निर्मित किए गए हैं और हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए ओवरहेड ट्रैक्शन को सपोर्ट करेंगे.

- 13 नदियों पर पुल और पांच स्टील पुल पूरे हो चुके हैं
- लगभग 112 किलोमीटर के हिस्से में नॉइज बैरियर लगाए गए हैं
- गुजरात में कई स्थानों पर ट्रैक निर्माण कार्य शुरू हो गया है
- महाराष्ट्र में बीकेसी और ठाणे के बीच 21 किलोमीटर सुरंग का काम निर्माणाधीन है
- एनएटीएम के माध्यम से महाराष्ट्र के पालघर जिले में सात पर्वतीय सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है

## आणंद और अहमदाबाद स्टेशनों के बीच का ब्रिज तैयार

दिन प्रति दिन बुलेट ट्रेन का काम गति पकड़ रहा है. 9 जनवरी 2025 को गुजरात के खेड़ा जिले में नाडियाड के पास दभान गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (दिल्ली-चेन्नई) को पार करने के लिए डिजाइन किया गया 210 मीटर लंबा पीएससी (प्री-स्ट्रेसड कंक्रीट) ब्रिज का काम पूरा किया गया. बता दें कि यह पुल आणंद और अहमदाबाद बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच स्थित है. इसी के साथ 13 नदियों पर पुल और पांच स्टील पुल पूरे हो



Electrification of Mumbai-Ahmedabad bullet train project begins

# मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या विद्युतीकरणाला सुरवात

## गुजरात राज्यातील सुरत आणि बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्थानकांदरम्यान पहिले दोन स्टील मास्ट उभारले

पालघर : पुढारी वृत्तसेवा

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरच्या विद्युतीकरणाच्या कामाला सुरवात करण्यात करण्यात आली आहे. विद्युतीकरण अंतर्गत गुजरात राज्यातील सुरत आणि बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्थानकांदरम्यान जमिनीपासून चौदा मीटर उंचीवरील व्हायाडक्टवर पहिले दोन स्टील मास्ट उभारण्यात आले आहेत. मेक इन इंडिया धोरणाला प्रोत्साहन देण्यासाठी जपानी डिझाइन आणि वैशिष्ट्यांशी सुसंगत ओएचई मास्ट भारतात तयार करण्यात आले आहेत. हाय-स्पीड ट्रेनसाठी ओव्हरहेड ट्रॅक्शन सिस्टम द्वारे विद्युत प्रवाह उपलब्ध करून दिला जाईल.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरवर ९.५ ते १४.५ मीटर उंचीचे वीस हजारहून अधिकच्या संख्येने मास्ट बसवण्यात येणार आहेत. ओव्हरहेड इन्फ्रामॅट (ओएचई) सिस्टम अंतर्गत ओव्हरहेड वायर, अर्थिंग



सिस्टम, फिटिंग्ज आणि संबंधित अॅक्सेसरीज जोडल्या जातील. बुलेट ट्रेन चालविण्यासाठी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरसाठी संपूर्ण २, २५ केव्ही ओव्हरहेड ट्रॅक्शन सिस्टम तयार केली जाणार आहे.

## Speeding up electrification of Mumbai-Ahmedabad bullet train corridor

# मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरच्या विद्युतीकरणाला गती

प्रशांत सिनकर

ठाणे : आव्हानात्मक वाटणाऱ्या बुलेट ट्रेनच काम हळूहळू टप्प्यात येताना दिसत असून, मुंबई बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरच्या विद्युतीकरणाचे काम सुरू झाले आहे. गुजरातमधील सुरत-बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्थानकांमध्ये जमिनीपासून १४ मीटर उंचीवर व्हाया डक्टवर पहिले दोन स्टील मास्ट उभारण्यात आले आहेत.

मुंबई, ठाणे, पालघर जिल्ह्यातून पुढे गुजरात राज्यात अहमदाबाद शहरा दरम्यान धावणाऱ्या बुलेट ट्रेन प्रकल्पाची उत्सुकता पुढच्या काही महिन्यांतच संपणार आहे. मुंबई आणि अहमदाबाद दोन्ही बाजूनी काम सुरू झाले असून, कॉरिडॉरवर ९.५ ते १४.५ मीटर उंचीचे एकूण २० हजारांहून अधिक मास्ट बसविण्यात येणार आहेत. हे मास्ट ओव्हरहेड वायर, अर्थिंग सिस्टम, फिटिंग्ज



आणि संबंधित अॅक्सेसरीजसह ओव्हरहेड इन्व्हिज्मेंट (ओएचई) सिस्टमला समर्थन देतील, बुलेट ट्रेन चालविण्यासाठी योग्य एमएचएसआर कॉरिडॉरसाठी संपूर्ण २x२५ केव्ही ओव्हरहेड ट्रॅक्शन सिस्टम तयार करतील.

मेक इन इंडिया धोरणाला प्रोत्साहन देताना, जपानी मानक डिझाइन आणि वैशिष्ट्यांशी सुसंगत हे ओएचई मास्ट भारतात तयार केले जातात आणि हाय-स्पीड ट्रेनसाठी ओव्हरहेड ट्रॅक्शन सिस्टमला समर्थन देतील.



## Electrification work of Bullet Train project started

### बुलेट ट्रेन प्रकल्पातील विद्युतीकरणाच्या कामाला सुरुवात

मनोर (बातमीदार) : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरच्या विद्युतीकरणाच्या कामाला सुरुवात करण्यात आली आहे. विद्युतीकरणांतर्गत गुजरात राज्यातील सुरत आणि बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्थानकांदरम्यान जमिनीपासून १४ मीटर उंचीवरील व्हायाडक्टवर पहिले दोन स्टील मास्ट उभारण्यात आले आहेत. मेक इन इंडिया धोरणाला प्रोत्साहन देण्यासाठी जपानी डिझाइन आणि वैशिष्ट्यांशी सुसंगत ओएचई मास्ट भारतात तयार करण्यात आले आहेत. हाय-स्पीड ट्रेनसाठी ओव्हरहेड ट्रॅक्शन सिस्टमद्वारे विद्युत प्रवाह उपलब्ध करून दिला जाईल. मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरवर १.५ ते १४.५ मीटर उंचीचे २० हजारांहून अधिकच्या संख्येने मास्ट बसवण्यात येणार आहेत. ओव्हरहेड इन्व्हिपमेंट (ओएचई) सिस्टमअंतर्गत ओव्हरहेड वायर, अर्थिंग सिस्टम, फिटिंग्ज आणि संबंधित अॅक्सेसरिज जोडल्या जातील. बुलेट ट्रेन चालविण्यासाठी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरसाठी संपूर्ण २x२५ केव्ही ओव्हरहेड ट्रॅक्शन सिस्टम तयार केली जाणार आहे.



## Electrification work of bullet train started

### बुलेट ट्रेनच्या विद्युतीकरणाच्या कामाला सुरुवात

मनोर, ता. १६ (बातमीदार)  
: मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन  
कारिडॉरच्या विद्युतीकरणाच्या  
कामाला सुरुवात करण्यात आली  
आहे. विद्युतीकरणांतर्गत गुजरात  
राज्यातील सुरत आणि बिलिमोरा  
बुलेट ट्रेन स्थानकांदरम्यान  
जमिनीपासून १४ मीटर उंचीवरील  
व्हायाडक्टवर पहिले दोन स्टील  
मास्ट उभारण्यात आले आहेत.

मेक इन इंडिया धोरणाला  
प्रोत्साहन देण्यासाठी जपानी  
डिझाइन आणि वैशिष्ट्यांशी सुसंगत  
ओएचई मास्ट भारतात तयार  
करण्यात आले आहेत. हाय-  
स्पीड ट्रेनसाठी ओव्हरहेड ट्रॅक्शन  
सिस्टमद्वारे विद्युत प्रवाह उपलब्ध  
करून दिल्या जाणार असल्याचे  
प्रशासनाकडून सांगण्यात आले.

## Installation of overhead wire for bullet train started

### બુલેટ ટ્રેન માટે ઓવરહેડ વાયર લગાવવાનું શરૂ

દ્રાવણપોર્ટેશન ડિપોર્ટર | સુરત

અમદાવાદ-મુંબઈ વચ્ચે દોડનારી બુલેટ ટ્રેનનું કામ પૂરજોશમાં ચાલી રહ્યું છે. જેમાં પણ સુરતથી બીલીમોરા વચ્ચેના બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશન પર 14 મીટર ઊંચાઈના વાયરકટ પર પ્રથમ બે સ્ટીલ માસ્ટ સ્થાપિત કરાયા છે. આ પ્રોજેક્ટ હેઠળ 9.5 મીટરથી 14.5 મીટર સુધીની ઊંચાઈ પર કુલ 20,000થી વધુ માસ્ટ લગાવવામાં આવશે. આ માસ્ટ ઓવરહેડ સાધનો (OHE) સિસ્ટમ માટે આધારરૂપ બનશે, જેમાં ઓવરહેડ વાયર અન્ય જરૂરી સાધનો સામેલ છે. આ સિસ્ટમ 2 x 25 કેવીએના ઓવરહેડ ટ્રેક્શન સિસ્ટમ હેઠળ વિકસાવવામાં આવી રહી છે, જે બુલેટ ટ્રેનને ચલાવવા માટે જરૂરી છે. વીજકરણ કાર્યની આ શરૂઆત ભારતના હાઈ-સ્પીડ રેલ પ્રોજેક્ટ માટે એક મહત્વપૂર્ણ તબક્કો સાબિત થશે.

## Electrification work started in bullet train project between Belimora-Surat

### બીલીમોરા-સુરત વચ્ચે બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં ઇલેક્ટ્રીફિકેશનનું કામ શરૂ



મુંબઈ અમદાવાદ વચ્ચે આકાર લેનાર દેશની સૌપ્રથમ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં કામગીરી ઝડપભેર આગળ વધી રહી છે. જે અંતર્ગત હવે ઇલેક્ટ્રીફિકેશનનું કામ પણ શરૂ થઈ ગયેલ છે. સૌપ્રથમ બીલીમોરા સુરત સ્ટેશન વચ્ચે ભોંયતળિયાના સ્તરથી 14 મીટરની ઉંચાઈએ બે સ્ટીલના માસ્ટ ઉભા કરવામાં આવ્યા છે. આ કોરિડોરમાં કુલ 20 હજારથી વધુ માસ્ટ 9.5થી 14.5 મીટરની ઉંચાઈએ લગાવવામાં આવનાર હોવાનું જાણવા મળે છે.



## बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर विद्युतीकरण का काम आरंभ

अहमदाबाद @ पत्रिका. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर के लिए विद्युतीकरण का काम शुरू किया गया है। इसके तहत गुजरात में सूरत-बिलिमोरा बुलेट ट्रेन स्टेशनों के बीच जमीन से 14 मीटर की ऊंचाई पर वायाडक्ट पर पहले दो स्टील मास्ट स्थापित किए गए हैं। कॉरिडोर पर 9.5 से 14.5 मीटर की ऊंचाई वाले 20,000 से ज्यादा मास्ट लगाए जाएंगे। ये मास्ट ओवरहेड उपकरण (ओएचई)



प्रणाली का सपोर्ट करेंगे। इनमें ओवरहेड तार, अर्थिंग सिस्टम, फिटिंग और संबंधित सहायक उपकरण शामिल हैं। ये बुलेट ट्रेन

चलाने के लिए उपयुक्त मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएचएसआर) कॉरिडोर के लिए पूर्ण 2 गुणा 25 किलोवॉट ओवरहेड ट्रैक्शन सिस्टम का निर्माण करेंगे। मेक इन इंडिया नीति को बढ़ावा देते हुए जापानी मानक डिजाइन और विशिष्टताओं के अनुरूप ये ओएचई मास्ट भारत में निर्मित किए गए हैं और हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए ओवरहेड ट्रैक्शन को सपोर्ट करेंगे।

## Electrification work on Mumbai-Ahmedabad bullet train route started



### मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन मार्गावर विद्युतीकरणाच्या कामाला सुरुवात

मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनच्या मार्गात विद्युतीकरणाचे काम सुरू झाले आहे. गुजरातमधील सुरत आणि बिलीमोरा स्थानकांच्या दरम्यान वायडक्टवर जमिनीपासून १४ मीटर उंचीवर पहिले दोन स्टील मास्ट उभारण्यात आले आहेत. भारताच्या महत्वाकांक्षी बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी हा एक मोठा टप्पा आहे. ओव्हरहेड इन्फ्रामॅट प्रणालीकरिता बुलेट ट्रेनच्या मार्गात ९.५ ते १४.५ मीटर उंचीचे २० हजार पेक्षा जास्त मास्ट स्थापित केले जातील. या प्रणालीमध्ये ओव्हरहेड वायर, अर्थिंग घटक, फिटिंग्ज आणि इतर उपकरणे समाविष्ट आहेत. ज्यामुळे बुलेट ट्रेनसाठी योग्य असलेली संपूर्ण 2x25 kV ट्रॅक्शन सिस्टम तयार होईल. 'मेक इन इंडिया' उपक्रमांतर्गत जपानी डिझाइन आणि मानकांशी सुसंगत मास्ट भारतात तयार केले जात आहेत.